BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (17.12.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 17.12.2024, PAGE-06

रसियन व भारतीय संस्कृति के समन्वय का सेतु बनेगा विवि

- रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति पर कार्यशाला का आयोजन
- रूस के पुश्किन स्टेट लैंग्वेज इंस्टीट्यूट से आईं दो डेलीगेट्स

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरए बिहार विवि के सीनेट हॉल में सोमवार को पुश्किन स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रशियन लैंग्वेज के सहयोग से ओपन मास्टर क्लास एंड ओपन लेक्चर्स के उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने की।

इस दौरान रूस से आए दो विशेष डेलीगेट्स पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा के साथ विवि के बीच एमओयू (सहमति पत्र) का आदान-प्रदान हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य रूसी भाषा के अध्ययन और शोध को बढ़ावा देना है। कार्यशाला 16 से 18 दिसंबर तक आयोजित है। कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि यह एमओयू विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा। हमारे छात्र अब रूस में पढ़ाई और शोध कर सकते हैं और रूस के छात्र यहां आकर अध्ययन कर सकते हैं। मानविकी संकाय के डीन और एचओडी प्रो. सतीश कुमार राय ने कहा कि विवि में जल्द ही रूसी भाषा में मास्टर डिग्री और पीएचडी के कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। समारोह के दौरान डेलीगेट पोलिना ने छात्रों को रूस आने और वहां की संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को रूस के प्रसिद्ध त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि आप रूस आकर वहां के फेस्टिवल और कल्चर का अनुभव कर सकते हैं। विभाग के प्रो. दिव्यम प्रकाश और प्रो. सुषमा ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य छात्रों को रूसी भाषा में उच्च स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करना है। इस मौके पर रसियन विभाग की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये। सीनेट हाल में कार्यक्रम के बाद हिंदी विभाग के सरस्वती सभागार में रूस, रूसी भाषा एवं साहित्य में शोध की संभावनाएं विषयक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला हुई। अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. सुधा कुमारी ने की। रूस से आईं पोलिना डोरोजकिना एवं अन्ना लिस्टोवा ने भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति के स्तर पर दोनों देशों के संबंधों की चर्चा की।

मुख्य वक्ता प्रो. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि रूसी साहित्य ने शरतचंद्र और प्रेमचंद सहित देश के अनेक बड़े लेखकों पर गहरा प्रभाव डाला। प्रो. सुधा ने बताया कि रूसी साहित्य व संस्कृति और हिंदी साहित्य व संस्कृति के तुलनात्मक अनुसंधान द्वारा नए तथ्यों को उजागर किया जा सकता है।

विवि सीनेट हॉल में सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 17.12.2024, PAGE-04

विश्वविद्यालय में रूसी भाषा में मास्टर डिग्री व पीएचडी की होगी शुरुआत

• सीनेट हाल में ओपन मास्टर क्लास एंड ओपन लेक्चर्स का आयोजन

• रूस के प्रतिनिधि व विश्वविद्यालय के बीच एमओयू का आदान-प्रदान

एमओयू का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. डीसी राय व रूस से आए प्रतिनिधि • जागरण

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र अब रूस में पढ़ाई के साथ -साथ शोध कर सकेंगे। साथ ही रूस के विद्यार्थी भी यहां आकर अध्ययन और रिसर्च कर सकते हैं। यह एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है। रूसी भाषा का ज्ञान वैश्विक स्तर पर छात्रों के करियर को नई ऊंचाई देगा।

वह सोमवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हाल में पुश्किन स्टेट इंस्टीट्यूट आफ रशियन लैंग्वेज के सहयोग से आयोजित ओपन मास्टर क्लास एंड ओपन लेक्चर्स के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान रूस से आए दो विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा के साथ विश्वविद्यालय के बीच एमओयू (सहमति पत्र) का आदान-प्रदान हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य रूसी भाषा के अध्ययन और शोध को बढ़ावा देना है। मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय में जल्द ही रूसी भाषा में मास्टर डिग्री और पीएचडी के कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। कार्यशाला के दौरान रूस से आई डेलीगेट पालिना ने छात्रों को रूस आने और वहां की संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया। कहा कि हर साल रूस में युथ फेस्टिवल का आयोजन होता है। रशियन विभाग के प्रो. दिव्यम प्रकाश और प्रो. सुषमा ने कहा कि छात्रों को रूसी भाषा में उच्च स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करना ही उनका लक्ष्य है। उद्घाटन सत्र में श्रेया ने रूसी गान प्रस्तुत किया। वहीं हनी और सत्यम ने कविताओं का पाठ किया। रूस से आए डेलीगेट्स ने रूसी भाषा सीख रहे छात्रों के साथ कक्षाएं लीं और उन्हें रूस से लाए गए विशेष उपहार दिए। मंच संचालन श्रेया शर्मा और साकिब सरोश ने किया।

हिंदी साहित्य पर रूसी भाषा का गहरा प्रभाव

पीजी हिंदी विभाग में रूस, रूसी भाषा एवं साहित्य में शोध की संभावनाएं विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी साहित्य पर रूसी भाषा का बड़ा ऋण है। हिंदी व भारतीय भाषाओं के छात्र शोध के माध्यम से इसे चुकता करें। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में रूस का साहित्य समृद्ध हुआ। पुश्किन ने ग्रामीण परिवेश और कृषक जीवन को साहित्य का हिस्सा बनाया। हिंदी साहित्य पर भी इसका प्रभाव हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डा. सुधा कुमारी ने की। कार्यक्रम का संचालन डा. राकेश रंजन और उज्जवल आलोक ने किया। धन्यवाद ज्ञापन परिषद प्राध्यापक डा. प्रमोद कुमार ने किया। उन्होंने गांधी और लियो टालस्टाय के बीच पत्र संवाद और ए लेटर टू हिंदू के प्रकाशन को लेकर हुए संवाद के माध्यम से रशियन भाषा की महत्ता बताई।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:17.12.2024, PAGE-04

रूस जाकर शोध कर सकेंगे विवि के विद्यार्थी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के सीनेट सभागार में पुश्किन स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रशियन लैंग्वेज के सहयोग से ओपन मास्टर क्लास एंड ओपन लेक्चर्स का आयोजन किया गया. अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने की. इस दौरान रूस से पहुंचे दो भाषा राजदूत पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा ने पुश्किन स्टेट रशियन लैंग्वेज इंस्टीट्यूट के बीच एमओयू (सहमति पत्र) का आदान-प्रदान किया. इसके साथ ही भारत व रशिया की भाषा व सभ्यता संस्कृति को जानने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का भी शुभारंभ किया गया.

रूसी भाषा के अध्ययन व शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन हो रहा है. वीसी प्रो दिनेश चंद्र राय ने कहा कि यह एमओयू विवि के छात्रों के लिए नये अवसरों का द्वार खोलेगा. हमारे छात्र अब रूस में पढ़ाई व शोध कर सकते हैं और रूस के छात्र यहां आकर अध्ययन कर सकते हैं. मानविकी संकाय के डीन व विभागाध्यक्ष प्रो सतीश राय ने कहा कि विवि में जल्द ही रूसी भाषा में मास्टर डिग्री और पीएचडी के कार्यक्रम शुरू किये जायेंगे. कार्यशाला के दौरान रूस से पहुंचीं पॉलिना ने छात्रों को रूस आने और वहां की संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया.

उन्होंने छात्रों को रूस के प्रसिद्ध त्योहारों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी दी. रूसी भाषा विभाग के डॉ दिव्यम प्रकाश व डॉ सुषमा ने कहा कि छात्रों को रूसी भाषा में उच्च स्तर की शिक्षा व शोध के अवसर प्रदान किया जा सके. इसको लेकर लगातार पहल की जा रही है. इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत शॉल व प्रतीक चिह्न देकर किया गया. रशियन विभाग की छात्रा रही श्रेया ने रूसी भाषा में गाना प्रस्तुत किया. वहीं हनी व सत्यम ने रूसी कविताओं का पाठ किया.रूस से भाषा राजदूत ने रूसी भाषा सीख रहे छात्रों के साथ संवाद किया. उन्हें रूस से लाये गये विशेष उपहार दिये. मंच संचालन श्रेया शर्मा व साकिब सफील ने किया. कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया.

विवि में एमओयू के बाद पत्र प्रदर्शित करते वीसी व रशियन भाषा राजदूत.

- पुश्किन स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रशियन लैंग्वेज संग एमओयू के लिए पहुंचीं रशिया की दो भाषा राजदूत
- विवि के सीनेट सभागार व हिंदी विभाग में भी किया गया कार्यक्रम का आयोजन

भारत-रूस के शैक्षिक संबंधों को मजबूती देना लक्ष्य : रूस से पहुंचीं भाषा राजदूत पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और रूस के सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंधों को मजबूत करना है. उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और बताया कि रूसी भाषा का अध्ययन वैश्विक अवसरों को साकार करने में सहायक होगा.

- खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन कर लें.

रूसी भाषा का बड़ा ऋण, शोध से इसे चुकाएं

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के पीजी हिंदी विभाग में रूस, रूसी भाषा एवं साहित्य में शोध की संभावनाएं विषय पर सेमिनार हुआ. मुख्य वक्ता पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो प्रमोद सिंह ने कहा कि हिंदी साहित्य पर रूसी भाषा का बड़ा ऋण है. हिंदी व भारतीय भाषाओं के छात्र शोध के माध्यम से इसे चुकता करें. उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में रूस का साहित्य समृद्ध हुआ. पुश्किन ने इसमें अहम भूमिका निभायी. पुश्किन ने ग्रामीण परिवेश व कृषक जीवन को साहित्य का हिस्सा बनाया. हिंदी साहित्य पर भी इसका प्रभाव हुआ. हिंदी की कई प्रसिद्ध रचनाओं को रूसी साहित्य से प्रेरित होकर लिखा गया. उन्होंने रिपोर्ताज लेखन व एकांकी को सबसे पहले रशिया से ही शुरू होने की बात कही. रशियन राजदूत पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा ने छात्र-छात्राओं को रशियन अल्फावेट व वहां की संस्कृति, शिक्षण पद्धति की जानकारी दी. अध्यक्षता करते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुधा ने रशियन उपन्यासों के अनुवाद पर शोध करने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ राकेश रंजन व उज्ज्वल आलोक ने किया. धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ प्रमोद ने किया. उन्होंने गांधी और लियो टॉलस्टाय के बीच पत्र संवाद और ए लेटर टू हिंदू के प्रकाशन को लेकर हुए संवाद के माध्यम से रशियन भाषा की महत्ता बतायी. इस दौरान बड़ी संख्या में रशियन और हिंदी विभाग के छात्र मौजूद थे.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 17.12.2024, PAGE-06

तीन दिवसीय सेमिनार में कुलपति ने कहा-

रूसी भाषा का ज्ञान कॅरियर को वैश्विक स्तर पर ऊंचाई देगा

मुजफ्फरपुर | बीआरए बिहार विवि के सीनेट हॉल में सोमवार को पुश्किन स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रशियन लैंग्वेज के सहयोग से ओपेन मास्टर क्लास एंड ओपेन लेक्चर्स का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान रूस से आए दो विशेष डेलीगेट्स पोलिना डोरोजकिना और अन्ना लिस्टोवा के साथ विवि ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। रूसी भाषा के अध्ययन और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसका समापन 18 दिसंबर को होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि यह एमओयू विवि के छात्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। हमारे छात्र अब रूस में पढ़ाई और शोध कर सकते हैं और रूस के छात्र यहां आकर अध्ययन कर सकते हैं। यह एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है। रूसी भाषा का ज्ञान वैश्विक स्तर पर छात्रों के करियर को नई ऊंचाई देगा। मानविकी संकाय के डीन और रशियन के एचओडी प्रो. सतीश कुमार राय ने कहा कि विवि में जल्द ही रूसी भाषा में मास्टर डिग्री और पीएचडी के कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। रूस से आई डेलीगेट पॉलिना ने छात्रों को रूस आने और वहां की संस्कृति को समझने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को रूस के प्रसिद्ध त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। रूसी विभाग के प्रो. दिव्यम प्रकाश और प्रो. सुषमा ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य छात्रों को रूसी भाषा में उच्च स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करना है। मंच संचालन श्रेया शर्मा और साकिब सफील ने किया।